अंतःस्थलि

अंतः स्थलीय जल मार्ग

- उपयोगिता क्यों है?
  - → सड़क रेल की तुलना में सस्ता परिवहन का साधन?
  - → सड़क और रेलमार्ग पर दबाव कम
  - → ~~परिवहन की त्रिपक्षीय प्रणाली~~
  - → परिवहन की त्रिपक्षीय प्रणाली
- ~~परिवहन की त्रिपक्षीय प्रणाली~~
- विकास की संभावनाएं
  - भारत में सदावाहिनी नदियों का प्रवाह होता है
  - भारत में सिंचाई के रूप में नहरों का निर्माण
  - भारत में नदी जोड़ो परियोजना पर कार्य
- बाधाएँ
  - प्राकृतिक
  - संरचनात्मक स्तर पर समस्याएं
  - संस्थागत जटिलताएं
- परिवहन के त्रिपक्षीय प्रणाली

अंतः स्थलीय जल मार्ग

- → सड़क / रेलमार्ग / बंदरगाह नगरों को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य
- सड़क / रेलमार्ग से बेहतर?

→ सस्ता परिवहन के साधन क्यों?

- → सड़क / रेलमार्ग के समान भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं।
- → वृक्षों को काटने की आवश्यकता नहीं } पर्यावरणीय समस्या
- → वृक्षारोपण में निवेश नहीं
- → जल के प्रवाह की दिशा में जलयानों के उपयोग से ईंधन में बचत

→ एक बेहतर विकल्प क्यों है?

→ एक बेहतर विकल्प?

→ आर्थिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से एक बेहतर विकल्प?

→ भारत में अंतःस्थलीय जलमार्ग के विकास की संभावनाएं :

- भारत के उत्तरी मैदान में
  ↓
  सदावाहिनी नदियों का अपवाह

- भारत एक कृषि प्रधान देश है
  ↓
  जहां वर्ष भर कृषि का उपयोग करने के लिए
  ↓
  जल संसाधन के प्रबन्धन को प्राथमिकता देते हुए
  ↓
  नहर सिंचाई का विकास किया गया
  ↓
  इन्हीं नहरों का उपयोग अंतःस्थलीय जलमार्ग में किया जा सकता है।

- भारत में बाढ़ / सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए
  ↓
  नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत
  ↓
  राष्ट्रीय स्तर पर नदियों को नहरों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।
  ↓ (इस परियोजना के पूर्ण होने पर)
  राष्ट्रीय स्तर पर अंतःस्थलीय जलमार्ग का उपयोग संभव हो सकेगा।

National water way 1:
हल्दीया ↓ इलाहाबाद

→ अंतःस्थलीय जलमार्ग के विकास में बाधाएं :

प्राकृतिक बाधाएं

- सदावाहिनी नदियों में वर्ष भर जल का प्रवाह एक समान नहीं होता है।
- मौसम में प्रतिकूल परिवर्तन के कारण बाढ़ एवं सूखा के स्थिति उत्पन्न होने पर जलमार्गों का उपयोग करना कठिन हो जाता है।
- नदी घाटी के असमान तल के साथ अवसादीकरण के कारण घाटी की गहराई में आनेवाली कमी से जलमार्गों का उपयोग करना और भी कठिन हो रहा है।
- वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग के कारण बाढ़ और मौसमी पुरवाओं जैसे प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में होनेवाली वृद्धि से जलमार्गों का उपयोग करना और भी कठिन होता जा रहा है।

National Water way 2
चुबरी ↓ सादिया

And

कोल्लम से कोट्टयपुरम

काकीनाडा से मरक्कानम

संरचनात्मक स्तर पर समस्याएं

- पुरानी तकनीकों पर आधारित जलयानों का उपयोग किए जाने के कारण कम दूरी तय करने में भी अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है।
- नदियों पर या तो बंदरगाहों का अभाव है या बंदरगाहों पर मौलिक / आधारभूत सुविधाओं का अभाव है।
- ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित या संचालित करने के लिए अभी भी आधारभूत सुविधाओं का अभाव है या कोई स्पष्ट नीति नहीं है जिसके कारण दुर्घटना होने की भी संभावनाएं बनी रहती हैं।

संस्थागत जटिलताएं

- → अंतःस्थलीय जलमार्ग में विकास के लिए स्पष्ट नीतियों का अभाव
- → जलमार्गों के विकास के लिए परिवहन मंत्रालय को शहरी विकास मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय, कृषि मंत्रालय से संबंधित विभागों के साथ योजनाओं के निर्धारण से लेकर क्रियान्वयन के स्तर तक समन्वय स्थापित करने में कई बाधाएं आती हैं।
- → अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय नदी जल विवाद की समस्या के कारण भी जलमार्गों के विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

परिवहन की त्रिपक्ष प्रणाली

- सड़क
- रेलमार्ग
- अंतः स्थलीय जलमार्ग

→ नेटवर्क